MPS

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए)

जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्र के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम.ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थी,

इस शैक्षिक सत्र से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक और लघु श्रेणी के प्रष्न हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों (डी.सी.क्यू.) का तात्पर्य प्रस्तावना और निष्कर्ष के साथ निबंधात्मक उत्तरों के रूप में लिखने हैं। इनका उद्देश्य विषय के बारे में आपकी समझ/ज्ञान को व्यवस्थित, प्रासंगिक और सुसंगत रूप से विश्लेषण करने की योग्यता की जाँच करना है। लघु श्रेणी के प्रश्न (एस.सी.क्यू.) आपसे अपेक्षा रखते हैं कि आप पहले विषय को तर्कों और व्याख्याओं के आधार पर विश्लेषित करें और फिर उत्तरों को संक्षेप में लिखें। इनका उद्देश्य अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की आपकी समझ और समलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता की जाँच करना है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्षिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर संबंधित भाग के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इस पुस्तिका में, हमने एम.ए. (राजनीति विज्ञान) के द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्यों को सम्मिलित किया है। आपको केवल उन्हीं सत्रीय कार्यों को करना होगा जिन पाठ्यक्रम के लिए आप पंजीकृत हैं और शेष सत्रीय कार्यों को छोड़ देना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने के पात्र होने के लिए निर्धारित अनुसूची के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार जमा कराएँ:

अनुसूची

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2019 सत्र के लिए	31 मार्च 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2020	

जमा कराए गए सत्रीय कार्यों को अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

एमपीएसई–001 : भारत और विश्व

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-001
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारतीय विदेश नीति के अध्ययन के लिए यथार्थवादी और अन्तःनिर्भरता दृष्टिकोण का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।

2. भारत के विदेश नीति के निर्धारकों के बारे में समझायें।

3. विदेश नीति बनाने में संसद की भूमिका की चर्चा कीजिए। विदेश नीति बनाने में संसदीय समितियां कैसे सहायता करती हैं?

4. भारत की विदेश नीति के लिए यूरोपीय संघ के महत्व का परीक्षण कीजिए।

5. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात, भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर टिप्पणी कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के प्रमुख मुद्दे
   ख) भारत की परमाणु नीति की प्रमुख विशेषताएं

7. क) आसियान के साथ भारत के द्विपक्षीय साझेदारी
   ख) मध्य–एशिया का भू–रणनीतिक महत्व

8. क) लैटिन अमेरिकी दैशों के साथ भारत का संबंध
   ख) भारत–अफ्रीका संबंध

9. क) भारत की निःशस्त्रीकरण नीति
   ख) सार्क देषों के साथ भारत के संबंध

10. क) समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ
    ख) कॉमनवेल्थ के साथ भारत का जुड़ाव

एमपीएसई–002 : लैटिन अमेरिका में राज्य और समाज

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-002
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. उन विचारों और परिस्थितियों का वर्णन करें जो लैटिन अमेरिका में स्वतंत्रता आंदोलन में जिनकी अहम् भूमिका है।

2. समकालीन लैटिन अमेरिका कई मायनों में अपनी औपनिवेशिक विरासत का परतंत्र है। विस्तार से चर्चा कीजिये।

3. लैटिन अमेरिकी समाज में आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण की व्याख्या कीजिए।

4. अनियमित बाजार सामाजिक अव्यवस्था तथा दुर्गति का कारण बन रहे हैं। लैटिन अमेरिका से समुचित उदाहरण के माध्यम से समझाइए।

5. विष्व विकास रणनीति को अपनाने के लिए जिम्मेदार राजनीतिक और आर्थिक कारकों का वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) लैटिन अमेरिका में जनवादी आंदोलनों की महत्वपूर्ण विशेषताएं
   ख) लैटिन अमेरिका में लोकतंत्र परिवर्तन का चक्रीय प्रक्रिया

7. क) लैटिन अमेरिका और भारत
   ख) लैटिन अमेरिका और यूरोपीय संघ

8. क) लैटिन अमेरिका राजनीति में सैन्य बल
   ख) लैटिन अमेरिका में क्रांति

9. क) लैटिन अमेरिका में कृषि और भूमि अधिकार
   ख) लैटिन अमेरिका और एशिया–प्रशांत क्षेत्र

10. क) क्यूबा की क्रांति की विशेषताएं
    ख) लैटिन अमेरिका में नागरिक समाज

एमपीएसई–003 : पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक)

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-003
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रष्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. पश्चिमी राजनीतिक विचारधारा की प्रमुख विषयवस्तु पर चर्चा कीजिए। पश्चिमी राजनीतिक विचारधारा का महत्व क्या है?

2. महिलाओं के लिए उदारवाद और समान अधिकारों पर जे.एस. मिल के योगदान की समीक्षा कीजिए।

3. अरस्तु के न्याय के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए।

4. राज्य और विधि के बारे में थॉमस एब्किनास के विचार बताए।

5. मैकियावेली के आत्म–उन्नति का सिद्धांत की चर्चा कीजिए, साध्य ही साधन के औचात्यानुचित्य को बताता है, कैसे?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) थॉमस होब्स प्रकृति और प्राकृतिक अधिकारों की स्थिति पर
   ख) जॉन लॉक सहमति, प्रतिरोध और सहनशीलता पर

7. क) रूसो की नागरिक समाज की आलोचना
   ख) नागरिकता पर एडमंड बर्क के विचार

8. क) इमैनुअल कांट, संपत्ति, सामाजिक अनुबंध और राज्य पर
   ख) जेरेमी बेंथम का राजनीतिक दर्षन

9. क) लोकतंत्र, क्रांति और आधुनिक राज्य पर एलेक्स डी टोक्किले
   ख) रूसो की जनरल विल

10. क) हेगेल के इतिहास के दर्षन
    ख) मार्क्स के अलगाव का सिद्धांत

एमपीएसई–004 : आधुनिक भारत में सामाजिक और राजनीतिक चिंतन

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-004
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019–20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मध्यकालीन भारत में राज्य और संप्रभुता की प्रकृति पर चर्चा कीजिए।

2. उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में राष्ट्रवाद व औपनिवेशिक आधुनिकता पर निबंध लिखिए।

3. 19वीं सदी के भारत में सामाजिक सुधार और हिंदू नवजागरण पर एक लेख लिखें।

4. एक सामाजिक क्रांतिकारी के रूप में, ज्योतिबा फूले की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. राष्ट्रवादी आंदोलन में नरमपंथियों और चरमपंथियों की तुलना कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) निष्क्रिय प्रतिरोध पर श्री अरबिंदो
   ख) हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा के उदय की पृष्ठभूमि

7. क) राष्ट्रवाद पर मौलाना मौदुदी के विचार
   ख) पंडित रमाबाई की पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई

8. क) आदिवासी पहचान को चैंपियन बनाने पर जयपाल सिंह
   ख) धर्म और राजनीति के संबंधों पर गांधी

9. क) जवाहरलाल नेहरू की संस्कृति का सिद्धांत
   ख) डॉ. भीमराव अंबेडर का वैचारिक की वैचारिक अभिविन्यास

10. क) रवीन्द्रनाथ टैगोर की स्वतंत्रता और आत्म–साक्षात्कार का सिद्धांत
    ख) एम. एन. राय का कट्टरपंथी मानवतावाद

एमपीएसई–005 : अफ्रीका में राज्य और समाज

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-005
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. अफ्रीका में राजनीति एवं समाज पर यूरोपीय औपनिवेशिक प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। ।

2. अफ्रीका के औपनिवेशिकरण की प्रक्रिया को समझायें।

3. अफ्रीकी में राष्ट्रवाद और एकीकरण की प्रमुख चुनौतियों का वर्णन करें।

4. अफ्रीकी के आर्थिक विकास पर वैश्वीकरण के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

5. अफ्रीकी में राजनीतिक दलों के उद्भव और विकास पर चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) अफ्रीका में स्वतंत्रता आंदोलन
   ख) अफ्रीका में सत्तावादी शासन

7. क) अफ्रीका की राजनीति में बड़ी शक्ति का भागीदारी
   ख) युद्ध के बाद अफ्रीका

8. क) अफ्रीका में राष्ट्रवाद और राष्ट्र निर्माण
   ख) उप–सहारा अफ्रीका में मानव सुरक्षा

9. क) भारत–अफ्रीका संबंध
   ख) अफ्रीका में हिंसा के कारण

10. क) 1990 में बुरूंडी और रवांडा में निर्जातीय संघर्ष का पुनरूत्थान
    ख) 1990 के दशक के दौरान अफ्रीका में अमेरिकी हित और उद्देश्य

एमपीएसई–006 : शांति और द्वंद्व अध्ययन

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-006
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति और संघर्ष के अध्ययन में मानवीय व्यवहार के विभिन्न आयामों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
2. युद्ध क्या हैं? युद्ध के यर्थाथवादी और मार्क्सवादी दृष्टिकोण के बीच अंतर समझायें।
3. शांति और शांति प्राप्त करने के कार्यक्रम में बोल्डिंग और गाल्टन की संकल्पनाओं के बीच मतभेदों की समीक्षा कीजिए।
4. अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सुरक्षा परिषद की शक्तियों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
5. शांति और अहिंसा के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण पर एक निबंध लिखें।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) केनेथ बोल्डिंग की शांति की अवधारणा
   ख) परमाणु निवारण
7. क) शांति के अध्ययन के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा
8. क) संघर्ष कम करने एवं समाधान में नागरिक समाज की भूमिका
   ख) राष्ट्रों के मध्य शक्ति वितरण पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय शांति के मॉडल
9. क) युद्ध पर गाँधी के विचार
   ख) वैश्वीकरण के युग में मानव सुरक्षा की चुनौतियाँ
10. क) विवादों के समाधान में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की भूमिका
    ख) निःशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण के बीच अंतर

एमपीएसई–007 : भारत में सामाजिक आंदोलन और राजनीति

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-007
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राज्य, बाजार एवं सामाजिक आंदोलनों एक दूसरे से किस प्रकार संबंधित है? व्याख्या कीजिए।

2. भारत में श्रमिक और कृषक वर्ग पर वैश्वीकरण के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. नृजातीय आंदोलनों के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण का विष्लेषण कीजिए।

4. भारत में किसानों के आंदोलन की विषेषाताओं का विष्लेषण कीजिए।

5. भारत में क्षेत्रीय आंदोलनों के उदय और विकास के विभिन्न कारण क्या हैं?।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) बहुजन समाज पार्टी की खामियाँ
   ख) सामाजिक आंदोलन के अध्ययन के लिए संरचनात्मक कार्यात्मक उपागम (दृष्टिकोण)

7. क) दक्षिण भारत में मछुआरों का आंदोलन
   ख) सापेक्ष अवमूल्यन सिद्धांत

8. क) श्रमिक वर्ग आंदोलन
   ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

9. क) लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक आंदोलन की महत्ता
   ख) नए सामाजिक आंदोलन

10. क) उत्तर और दक्षिण भारत में पिछड़ें वर्ग आंदोलनों में अंतर
    ख) शहरों में पर्यावरण आंदोलन

एमपीएसई–008 : भारत में राज्य राजनीति

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-008
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राज्य राजनीति के अध्ययन के लिए प्रणालीगत और उत्तर–आधुनिकतावादी दृष्टिकोण की तुलना कीजिए।

2. राज्य राजनीति में क्षेत्रीय बलों के उदय के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. निर्वाचक व्यवहार के निर्धारकों का आलोचनात्मक विष्लेषण कीजिए।

4. सतत् विकास पर एक निबंध लिखे।

5. 'कांग्रेस व्यवस्था' के टूटने के कारणों का विष्लेषण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) स्वतंत्रता के रूप में विकास
   ख) हरित क्रांति

7. क) क्षेत्रीय दल
   ख) निर्वाचन सुधार

8. क) जल विवादों की राजनीति
   ख) भारत में क्षेत्रीय असमानता

9. क) राज्य राजनीति पर वैश्वीकरण के प्रभाव
   ख) भाषायी अल्पसंख्यक समुदाय एवं राजनीति

10. क) सामाजिक पूँजी
    ख) स्वायत्ता आंदोलनों की विशेषताएँ

एमपीएसई–009 : कनाडा : राजनीति और समाज

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-009
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. कनाडा में राज्यों के निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

2. कनाडा के दलीय व्यवस्था के विशिष्ट कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. मानव सुरक्षा की परिभाषा दीजिए और विकास के लिए कनाडा के एकीकृत दृष्टिकोण का विश्लेषण कीजिए।

4. कनाडा की राजनीति प्रक्रिया में नागरिक समाज की भागीदारी की प्रकृति, भूमिका और सीमाओं पर एक निबंध लिखिए।

5. कनाडा में अपनाये गये बहुसंस्कृतिवाद नीति के लक्ष्यों और विचारधाराओं का वर्णन कीजिए।

भाग – II

6. क) कनाडा के संविधान की मूल विशेषताएँ

   ख) कनाडा में दबाव समूह

7. क) कनाडा राजनीतिक व्यवस्था में लोक प्रशासन

   ख) कनाडा में दलीय व्यवस्था का विकास

8. क) पर्यावरण आंदोलन

   ख) उदार अंतर्राष्ट्रीयवाद

9. क) कनाडा में अप्रवासी और अल्पसंख्यक

   ख) कनाडा संघवाद की विशेषताएँ

10. क) कनाडा में क्यूवेक अलगवादी आंदोलन के वैचारिक और सामाजिक आधार और स्वरूप

    ख) कनाडा में सामाजिक आंदोलन में गैर–सरकारी संगठन की भूमिका और स्वरूप।

एमपीएसई–011 : विश्व मामलों में यूरोपीय संघ

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-011
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. यूरोपीयन आर्थिक समुदाय की गठन और इसका विश्व व्यापार पर असर/निहितार्थ की व्याख्या कीजिए।

2. मैसट्रिक्ट संधि को यूरोपीय संघ पर संधि क्यों माना जाता है? व्याख्या कीजिए।

3. यूरोपीयन संघ को वैद्यता प्रदान करने और लोकतंत्रीकरण में यूरोपीयन संसद की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. यूरोप और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण के स्वरूप और उपयोगिता की तुलना कीजिए।।

5. उन कारकों का परीक्षण कीजिए जिसने एक साझा यूरोपीयन सुरक्षा और रक्षा नीति के विकास को उपलब्ध कराया।

भाग – II

6. क) यूरोपीयन संघ में निर्णय निर्माण

   ख) एकल यूरोपीयन बाजार के गठन का विचार

7. क) यूरोपीयन संघ संवैधानिक संधि के मुख्य प्रावधान

   ख) यूरोप में एकल मुद्रा के फायदे

8. क) यूरोपियन संघ में यूनाईटेड किंगडम की भूमिका

   ख) ब्रेक्सिट

9. क) द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत यूरोपीयन एकता के लिए वित्तिय दृष्टिकोण

   ख) यूरोपीयन संघ–चीन रिश्ते की विशेषताएँ

10. क) भारत और यूरोपीयन संघ

    ख) यूरोपीयन संघ की विकास नीति।

एम.पी.एस.ई.–012 : ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई-012
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019–20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ऑस्ट्रेलियाई समाज में मूलनिवासी समुदाय के बदलते औपनिवेषिक गुण और नीतियों को संक्षिप्त में समझायें।

2. ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी के नृजातीय–सांस्कृतिक पहचान का परीक्षण कीजिए।

3. ऑस्ट्रेलिया के बहुसंस्कृतिक नीतियो का वर्णन कीजिए। ऑस्ट्रेलिया के अप्रवासियों पर इसके क्या प्रभाव है?

4. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

   क) ऑस्ट्रेलियाई लेबर दल

   ख) ऑस्ट्रेलिया की लघु (Minor) दल

5. ऑस्ट्रलिया में संघवाद की कार्यप्रणाली का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद का उदय
   ख) ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

7. क) श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति का विकास
   ख) ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी

8. क) वैष्वीकरण के दौर में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था
   ख) ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था का पुनर्गठन

9. क) ऑस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी
   ख) ऑस्ट्रेलिया में दबाव समूह

10. क) विष्व अर्थव्यवस्था के साथ ऑस्ट्रलिया का जुड़ाव
    ख) ऑस्ट्रेलिया में लिंग और महिलाओं का मुद्दा।

एम.पी.एस.ई.–013 : ऑस्ट्रेलिया की विदेष नीति

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएसई - 013
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019–20
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के बदलते स्वरूप का परीक्षण कीजिए।

2. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति में महत्वपूर्ण बदलाव की व्याख्या कीजिए।

3. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति की संरचना, प्रक्रिया और नीति कार्यान्वयन की व्याख्या कीजिए।

4. आसियान के साथ ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंध के स्वरूप का परीक्षण कीजिए।

5. ऑस्ट्रेलिया की बदलती धारणा के बारे में संक्षेप में बतायें।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) ऑस्ट्रेलिया का संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंध
   ख) ऑस्ट्रेलिया के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

7. क) आसियान के साथ ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक सम्बन्ध
   ख) भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग

8. क) ऑस्ट्रेलिया–इंडोनेशिया संबंधों की आयाम
   ख) ऑस्ट्रेलिया का चीन के साथ संबंध

9. क) आतंकवाद से लड़ने की ऑस्ट्रेलिया की नीति
   ख) हिंद महासागर में ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय हित

10. क) ऑस्ट्रेलिया में समकालीन आप्रवासन
    ख) ऊर्जा संरक्षण के दिषा में ऑस्ट्रेलियाई सरकार

एम.ई.डी.–002 : सतत् विकास : मुद्दे और चुनौतियाँ

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमईडी-002
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सतत् विकास की अवधारणा को समझाइए। अंतर्पीढीय साम्य (इक्विटी) और न्याय के लिए प्रमुख नियमों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

2. धारण क्षमता की अवधारणा की विस्तार से वर्णन कीजिये, नवीकरणीय संसाधनों के अबाध्य क्षयन से क्या खतरे हैं?
3. सतत् विकास के अध्ययन के लिए विभिन्न उपागमों का वर्णन कीजिए।

4. सामुदायिक उन्मुख सतत् विकास के दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

5. भूमण्डलीकरण के युग में सतत् विकास के अर्थ और प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

6. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित का उत्तर दीजिए
   क) नवीनीकरण और पहचान
   ख) सतत् विकास के लिए परंपरागत ज्ञान

7. क) पर्यावरण एवं सतत् विकास हेतु क्षेत्रीय सहयोग
   ख) सतत् विकास के लिए पारंपरिक और स्वदेशी प्रौद्यौगिकी

8. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित को स्पष्ट दीजिएः
   क) मरूस्थलीकरण एवं सूखा
   ख) भारत में पर्यावरणीय कानूनों के क्रियान्वयन में सम्मुख आने वाली चुनौतियाँ

9. क) पर्यावरण एवं सतत् विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र की पहल
   ख) सतत् विकास के लिए लोगों का सहयोग और भागीदारी का महत्व

10. निम्नलिखित पर अपने विचार व्यक्त कीजिएः

    क) मानव संसाधन विकास और सतत् विकास
    ख) सूचना प्रसारण प्रौद्योगिकी एवं सतत् ग्रामीण विकास

एम.ई.डी.–008 : भूमंडलीकरण और पर्यावरण

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमईडी-008
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. वैश्वीकरण की बदलती प्रकृति और पर्यावरण पर इसके प्रभावों की व्याख्या करें।

2. प्राकृतिक आपदाओं को परिभाषित करें और उन कारकों की व्याख्या करें जो प्राकृतिक आपदाओं का कारण हैं।

3. नव–उदारवादी आर्थिक वैश्वीकरण के युग में बहुराष्ट्रीय कंपनियों और ट्रांसनेशनल कंपनियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

4. मानव जीवन पर ग्रीन हाउस गैसों और ओजोन क्षयन के प्रभावों की व्याख्या करें।

5. निम्नलिखित पर अपने विचार व्यक्त कीजिएः
   क) उत्तर–दक्षिण विभाजन
   ख) संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों की पर्यावरण की सुरक्षा में भूमिका

भाग – II

6. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित का उत्तर दीजिएः
   क) विश्व पर्यावरण की सुरक्षा में विश्व व्यापार संगठन और विश्व बैंक की भूमिका
   ख) दक्षिण एशिया में पर्यावरणीय समस्याएं

7. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित का उत्तर दीजिएः
   क) पर्यावरणीय मानकों से संबंधित प्रौद्योगिकी सरोकार
   ख) पर्यावरण और विकास के लिए भारतीय पहल

8. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित को स्पष्ट दीजिएः
   क) अप्पिको आंदोलन
   ख) जैविक बायोडाइवर्सिटी सम्मेलन

9. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित का उत्तर दीजिएः
   क) वैश्वीकरण के खिलाफ लोगों का प्रतिरोध
   ख) जैव–विविधता संरक्षण की दिशा में भारतीय प्रयास

10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिएः
    क) आर्थिक सुधार और खाद्य सुरक्षा
    ख) स्वच्छ भारत अभियान

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी शांतिवाद के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
2. ग्राम स्वराज के गाँधी के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
3. औद्योगिकीकरण पर गाँधी की आलोचना की व्याख्या कीजिए।
4. गाँधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल्यांकन की समीक्षा कीजिए।
5. साध्य और साधन की महत्ता पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) राष्ट्रवाद पर गाँधी के सिद्धांत
   (ख) उदारवाद और संविधानवाद का सिद्धांत
7. (क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी के अहिंसात्मक संघर्ष
   (ख) राज्य और नागरिकता पर गाँधी के विचार
8. (क) समाजवाद और साम्यवाद का अर्थ
   (ख) रचनात्मक कार्यक्रम का महत्त्व
9. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
   (ख) फासीवाद पर गाँधी के विचार
10. (क) गाँधीवादी न्यास के मुख्य तत्व
    (ख) अधिकार और कर्त्तव्य पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी उपरांत राजनीतक संरचना और इसकी कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।
2. राष्ट्रवादी आंदोलन के दौरान व्यक्तिगत आंदोलन की व्याख्या कीजिए।
3. वर्तमान समय में मानव जाति को प्रभावित करने वाले पारिस्थितिक मुद्दों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मद्य–निषेध नीति और भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधित प्रमुख समस्याओं की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संपूर्ण क्रांति
   (ख) भूदान आंदोलन
7. (क) महिलाओं और नागरिक अधिकार आंदोलन
   (ख) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आयोग
9. (क) अहिंसात्मक आंदोलन के प्रकार
   (ख) पर्यावरण–नारीवाद आंदोलन
10. (क) पोलैंड में अहिंसात्मक सॉलिडेरिटी आंदोलन
    (ख) दक्षिण–अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामुदायिक शांति के सिद्धांत के आधार का परीक्षण कीजिए।
2. असहिष्णुता से निपटने के लिए गाँधी द्वारा प्रपादित भिन्न समाधानों का विश्लेषण कीजिए।
3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
   (क) सामुदायिक शांति पर गाँधी के दृष्टिकोण
   (ख) सहनशीलता और सामंजस्य की समझ
4. विश्व संघ और देशों के बीच शांति पर गाँधी की योजना का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।
5. मानव में अंतर्निहित संघर्ष के संबंध में कुछ प्रमुख सिद्धांतों के प्रतिपादन की परिचर्चा कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समझौता और मध्यस्थता के उपागम
   (ख) शांति सेना
7. (क) कानूनी लड़ाई पर गाँधी के विचार
   (ख) औद्योगिक संघर्ष पर गाँधी के विचार
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) पेट्रा कैली और जर्मन ग्रीन पार्टी
9. (क) संघर्ष समाधान में संवाद और समझौता की महत्ता
   (ख) संघर्ष समाधान के लिए उपवास
10. (क) निर्भयता और साहस के विचार
    (ख) असम में विद्रोह

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वर्त्तमान समय में संघर्ष की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. द्वंद्व पीड़ित समाज को मजबूत बनाने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :
   (क) संघर्ष आंकलन की चुनौतियाँ
   (ख) संघर्ष विश्लेषण की पद्धतियाँ।
4. पंजाब में आतंकवाद के मुख्य कारकों की व्याख्या कीजिए।
5. संघर्ष के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गॉलतुंग द्वारा प्रतिपादित संरचनात्मक हिंसा
   (ख) संघर्ष आंकलन की बाध्यतायें
7. (क) शांति द्वारा गॉलतुंग का संघर्ष परिवर्त्तण
   (ख) नागालैंड में हिंसा की समस्या
8. (क) संघर्ष परिवर्त्तण पर परिप्रेक्ष्य
   (ख) स्वराज पर गाँधी के विचार
9. (क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के नेतृत्व में सत्याग्रह अभियान
   (ख) संघर्ष परिवर्त्तण का गैर–पश्चिमी उपागम
10. (क) संघर्ष–उपरांत पुनर्निर्माण और पुनर्वास
    (ख) शांति निर्माण में नागरिक समाज का दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. मानव समाज के विकास और समाज के वंचित वर्ग के कल्याण में इसकी महत्ता की व्याख्या कीजिए।
2. भारत में राज्य–हिंसा को समझायें।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में समझायें :
   (क) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा।
   (ख) मानव सुरक्षा के गाँधीवादी दृष्टिकोण
4. मानव सुरक्षा और शांति निर्माण पर एक निबंध लिखें।
5. संरचनात्मक हिंसा पर गॉलतुंग के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. खाद्य सुरक्षा, गरीबी और भूख के पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
7. भारत के लिए पर्यावरण संबंधित मामलों के महत्व को संक्षेप में समझायें।
8. निम्नलिखित को अपने शब्दों में समझाएँ :
   (क) दक्षिण अफ्रीका में राज्य हिंसा का परीक्षण
   (ख) आतंकवाद के लक्षण
9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी विचारों की व्यावहारिकता का वर्णन कीजिए।
10. आपदा और विकास पर एक निबंध लिखें।

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. नागरिक समाज के प्रारंभिक आधुनिकता की धारणा की व्याख्या कीजिए।
2. दक्षिण अफ्रीका में नागरिक समाज की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।
3. वैश्विक बाजार में नागरिक समाज का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
4. नागरिक समाज के तत्वों का परीक्षण कीजिए।
5. भारत में शांति आंदोलन के सिद्धांत, विकास और प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) उन्नत पंजीकृत राज्य पर बहस
   (ख) राज्य और नागरिक समाज के बीच संबंध।
7. (क) रचनात्मक कार्यक्रम की गाँधीवादी अवधारणा
   (ख) नागरिक समाज की प्रकृति और सीमा
8. (क) मानवाधिकार का उद्‌भव और विकास
   (ख) गरीबी और भूख उन्मूलन की ओर ग्रामीण बैंक के प्रयास
9. (क) पंचायत राज संस्थानों के अध्ययन के उपागम
   (ख) शांति प्रक्रिया में गैर–सरकारी संस्थान (NGO) की भूमिका
10. (क) क्षमता निर्माण और महिला सशक्तिकरण पर गाँधी के विचार।
    (ख) वैश्विक शांति आंदोलन।